कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MHD–10

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि [एम. ए. (हिन्दी)]
(एम. एच. डी.)
सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एच.डी.-10 : प्रेमचन्द की कहानियाँ

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *(i)* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

(ii) शेष में से किन्हीं ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दा** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) मेहमानों ने भोजन किया। घरवालों ने भोजन किया। बाजेवाले भी भोजन कर चुके, परंतु बूढ़ी काकी को किसी ने न पूछ। बुद्धिराम और रूपा दोनां ही बूढ़ी काकी को उनकी निर्लज्जता के लिए दंड देने का निश्चय कर चुके थे। उनके बुढ़ापे पर, दीनता पर, हतज्ञान पर किसी को

करुणा न आयी थी, अकेली लाडली उनके लिए कुढ़ रही थी।

(ख) दुनिया सोती थी पर दुनिया की जीभ जागती थी। सबेरे देखिए तो बालक-वृद्ध सब के मुँह में यही बात सुनायी देती थी। जिसे देखिए वही पंडित जी के इस व्यवहार पर टीका-टिप्पणी कर रहा था, निंदा की बौछारें हो रही थीं, मानों संसार से अब पापी का पाप कट गया। पानी को दूध के नाम से बेचने वाला ग्वाला, कल्पित रोजनामचे भरने वाले अधिकारी वर्ग, रेल में बिना टिकट सफर करने वाले बाबू लोग, जाली दस्तावेज बनाने वाले सेठ और साहूकार यह सब के सब देवताओं की भाँति गर्दनें चला रहे थे।

(ग) कोदई ने लाल-लाल आँखों से दरोगा की ओर देखा और जहर की तरह गुस्से को पी गये। आज अगर उनके सिर गृहस्थी का बखेड़ा न होता, लेना-देना न होता तो वह भी इसका मुँहतोड़ जवाब देते। जिस गृहस्थी पर उन्होंने अपने जोवन के पचास साल होम कर दिए थे; वह इस समय

एक विषैले सर्प की भाँति उनकी आत्मा मे लिपटी हुई थी।

(घ) ओंकारनाथ नहीं, जरूर जोतो, खेत तुम्हारे हैं। मैं तुमसे छोड़ने को नहीं कहता हूँ। हरखू ने उन्हें बीस साल तक जोता। उन पर तुम्हारा हक है। लेकिन तुम देखते हो अब जमीन को दर कितनी बढ़ गयी है। तुम आठ रुपये बीघे पर जोतते थे, मुझे दस रुपये मिल रह हैं। और नजराने के रुपये सौ अलग। तुम्हारे साथ रिआयत करके लगान वही रखता हूँ, पर नजराने के रुपये तुम्हें देने पड़ेंगे।

2. प्रेमचंद के स्त्री संबंधी दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए। 10

3. दलित चेतना के संदर्भ में 'सद्गति' कहानी का मूल्यांकन कीजिए। 10

4. 'मनोवृत्ति' कहानी का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 10

5. कहानी-कला की दृष्टि से 'बेटों वाली विधवा' का विश्लेषण कीजिए। 10

6. 'नोहरी' का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$5 \times 2 = 10$

(क) प्रेमचंद की व्यंग्य दृष्टि

(ख) 'गुल्ली-डण्डा' में अभिव्यक्त सभ्यता-समीक्षा का स्वरूप

(ग) 'मनोवृत्ति' का समय-बोध

(घ) किसान समस्या और प्रेमचंद